IACS के 150 वर्ष: भारतीय पहल, रमन की खोज और आधुनिक विज्ञान का संस्थागत आधार

खबरों में क्यों

29 जुलाई 1876 को स्थापित Indian Association for the Cultivation of Science (IACS) ने 2026 में 150 वर्ष पूरे किए। इसकी स्थापना, वैज्ञानिक शिक्षा और मौलिक अनुसंधान की विरासत पर 29 जुलाई की रिपोर्टों ने ध्यान दिलाया [प्राथमिक/प्रेस]। कोलकाता का यह संस्थान केवल वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का स्मारक नहीं, भारत में वैज्ञानिक क्षमता के संस्थागत निर्माण का उदाहरण भी है [प्रेस-विश्लेषण]।

स्थापना का विचार

IACS के आधिकारिक इतिहास के अनुसार चिकित्सक **महेन्द्रलाल सरकार** ने भारतीयों के लिए विज्ञान के व्यवस्थित व्याख्यान और अनुसंधान का संस्थान बनाने की पहल की। इसका उद्घाटन 29 जुलाई 1876 को Bowbazar Street परिसर में हुआ। शुरुआती शिक्षण से जगदीश चन्द्र बोस तथा अन्य विद्वान जुड़े [प्राथमिक]। यह औपनिवेशिक परिस्थिति में केवल विज्ञान सीखने के बजाय स्वयं ज्ञान पैदा करने की भारतीय आकांक्षा का संस्थागत रूप था [प्रेस-विश्लेषण]।

सी. वी. रमन और प्रयोगशाला की भूमिका

IACS का आधिकारिक परिचय रमन प्रभाव की खोज को इस संस्थान से जोड़ता है। The Hindu के 29 जुलाई के ऐतिहासिक विवरण के अनुसार सरकारी नौकरी के साथ रमन ने यहाँ प्रयोग किए और बाद में भी यह उनके अनुसंधान का प्रमुख स्थान रहा। रमन प्रभाव की घोषणा 28 फरवरी 1928 को हुई और उन्हें 1930 का भौतिकी नोबेल पुरस्कार मिला [प्राथमिक/प्रेस]। इस उदाहरण में व्यक्तिगत प्रतिभा के साथ प्रयोगशाला, उपकरण और निरंतर काम करने का अवसर भी महत्वपूर्ण था [प्रेस-विश्लेषण]।

स्वतंत्रता के आसपास संस्थागत विस्तार

आधिकारिक इतिहास बताता है कि मेघनाद साहा के नेतृत्व में 1946 में नए विकास की योजना बनी। Bowbazar से Jadavpur में नए परिसर की दिशा में कदम बढ़े और संस्थान का अनुसंधान आधार विस्तृत हुआ [प्राथमिक]। आज IACS एक स्वायत्त अनुसंधान संस्थान तथा UGC Act की धारा 3 के अंतर्गत deemed-to-be university है। इसके परिचय में भौतिकी, रसायन, जीवविज्ञान, उन्नत पदार्थ और बहुविषयक शोध का उल्लेख है [प्राथमिक]।

2026 में अनुसंधान से उपयोग की कड़ी

PIB की **26 मई 2026** की विज्ञप्ति के अनुसार मंत्री जितेन्द्र सिंह ने IACS में स्वदेशी PECVD प्रणाली और RETINA इनक्यूबेशन केंद्र का उद्घाटन किया। PECVD का पूरा नाम Plasma Enhanced Chemical Vapour Deposition है। विज्ञप्ति ने इसे एमॉर्फस सिलिकॉन सोलर-सेल निर्माण से जोड़ा। RETINA का विस्तार Research Entrepreneurship for Translation, Innovation and Navigation बताया गया [प्राथमिक]। यह मई का समारोह है, 29 जुलाई को हुआ उद्घाटन नहीं। सुविधा का उद्घाटन उसके व्यावसायिक उत्पादन या बाजार में सफलता का प्रमाण नहीं [प्रेस-विश्लेषण]।

150वाँ स्थापना दिवस और 150 वर्ष पूरे होने में अंतर

IACS की एक अलग आधिकारिक सूचना **29 जुलाई 2025** को '150th Foundation Day' कहती है और 150 वर्ष पूरे होने की यात्रा का आरंभ बताती है [प्राथमिक]। 1876 से 2026 तक बीते वर्ष 150 हैं। इसलिए 2025 की स्थापना-दिवस सूचना और 2026 की 150वीं वर्षगाँठ को एक ही तारीख का कार्यक्रम न समझें।

परीक्षा के लिए महत्व

- **GS-1:** भारतीय पुनर्जागरण, स्वदेशी पहल और आधुनिक वैज्ञानिक संस्थाओं का विकास [प्रेस-विश्लेषण]।
- **GS-3:** मौलिक अनुसंधान, वैज्ञानिक अवसंरचना और शोध को सामाजिक उपयोग या उद्यम में बदलने की व्यवस्था [प्रेस-विश्लेषण]।
- **नीति-सीख:** वैज्ञानिक उपलब्धि के लिए प्रतिभा के साथ संस्थागत निरंतरता, प्रयोगशाला तक पहुँच और नए प्रश्नों पर काम करने की स्वतंत्रता जरूरी है [प्रेस-विश्लेषण]।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस (IACS) जैसे स्वदेशी संस्थानों ने आधुनिक भारतीय विज्ञान के निर्माण में क्या योगदान दिया? संक्षेप में चर्चा कीजिए।" (सामान्य अध्ययन-I; 150 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: IACS की स्थापना (29 जुलाई 1876, कोलकाता) और 2026 में 150 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करें; इसे केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों का स्मारक नहीं, भारत में वैज्ञानिक क्षमता के संस्थागत निर्माण का उदाहरण बताएँ।

मुख्य भाग में: योगदान समझाएँ — चिकित्सक महेन्द्रलाल सरकार की पहल से भारतीयों के लिए व्यवस्थित व्याख्यान और अनुसंधान का संस्थान (Bowbazar Street परिसर), जगदीश चन्द्र बोस जैसे विद्वानों का जुड़ाव और औपनिवेशिक परिस्थिति में स्वयं ज्ञान पैदा करने की आकांक्षा; सी. वी. रमन के यहाँ प्रयोग, रमन प्रभाव की घोषणा (28 फरवरी 1928) और 1930 का भौतिकी नोबेल — इसमें प्रतिभा के साथ प्रयोगशाला, उपकरण और निरंतर काम के अवसर की भूमिका रखें; मेघनाद साहा के नेतृत्व में 1946 की योजना और Jadavpur विस्तार; आज स्वायत्त अनुसंधान संस्थान और UGC Act की धारा 3 के अंतर्गत deemed-to-be university का दर्जा। 26 मई 2026 के स्वदेशी PECVD प्रणाली और RETINA इनक्यूबेशन केंद्र के उद्घाटन को मई का समारोह ही कहें (29 जुलाई की घटना नहीं) और उद्घाटन को व्यावसायिक सफलता का प्रमाण न मानें; 29 जुलाई 2025 के 150वें स्थापना दिवस और 2026 की 150वीं वर्षगाँठ का अंतर रखें।

निष्कर्ष में: निष्कर्ष दें कि वैज्ञानिक उपलब्धि के लिए प्रतिभा के साथ संस्थागत निरंतरता, प्रयोगशाला तक पहुँच और नए प्रश्नों पर काम करने की स्वतंत्रता जरूरी है — स्वदेशी संस्थानों की यही नीति-सीख है।

स्रोत

- [प्राथमिक] IACS, आधिकारिक Introduction/इतिहास — https://iacs.res.in/maincontroller.php?navid=13&subnavid=21
- [प्राथमिक] IACS, 150th Foundation Day (29 जुलाई 2025) विवरण — https://www.iacs.res.in/maincontroller.php?navid=24&resubnavid=745&subnavid=110
- [प्राथमिक] PIB, 26 मई 2026, PECVD और RETINA उद्घाटन — https://www.pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=2265569&lang=2&reg=48

- [प्रेस] The Hindu, Shekhar Mande, 29 जुलाई 2026, बाद में 8 अगस्त को अद्यतन — https://www.thehindu.com/sci-tech/science/150-years-of-the-indian-association-for-the-cultivation-of-science/article71279655.ece
- [प्रेस] NDTV, 29 जुलाई 2026 — https://www.ndtv.com/science/150-years-of-the-institute-that-gave-india-cv-raman-jc-bose-meghnad-saha-11837040

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: 29 जुलाई 1876 को स्थापित Indian Association for the Cultivation of Science (IACS) ने 2026 में 150 वर्ष पूरे किए।

प्रश्न: IACS की स्थापना कब हुई और 2026 में कितने वर्ष पूरे हुए?

29 जुलाई 1876 को स्थापित Indian Association for the Cultivation of Science (IACS) ने 2026 में 150 वर्ष पूरे किए। इसकी स्थापना, वैज्ञानिक शिक्षा और मौलिक अनुसंधान की विरासत पर 29 जुलाई की रिपोर्टों ने ध्यान दिलाया।

प्रश्न: IACS की स्थापना के पीछे किसकी पहल और क्या विचार था?

IACS के आधिकारिक इतिहास के अनुसार चिकित्सक महेन्द्रलाल सरकार ने भारतीयों के लिए विज्ञान के व्यवस्थित व्याख्यान और अनुसंधान का संस्थान बनाने की पहल की। इसका उद्घाटन 29 जुलाई 1876 को Bowbazar Street परिसर में हुआ।

प्रश्न: सी. वी. रमन के वैज्ञानिक कार्य से IACS का क्या संबंध है?

IACS का आधिकारिक परिचय रमन प्रभाव की खोज को इस संस्थान से जोड़ता है। The Hindu के 29 जुलाई के ऐतिहासिक विवरण के अनुसार सरकारी नौकरी के साथ रमन ने यहाँ प्रयोग किए और बाद में भी यह उनके अनुसंधान का प्रमुख स्थान रहा।